International Journal of Hindi Research
ISSN: 2455-2232; Impact Factor: RJIF 5.22
Received: 05-09-2020; Accepted: 20-09-2020; Published: 06-10-2020
www.hindijournal.com
Volume 6; Issue 5; 2020; Page No. 64-65

शैक्षिक अवसरों में समानता एंव निकोबारी आदिवासी समाज

विनीता सिंह गोपालकृष्णन [1], कु0 राखी [2]
[1] एसोसिएट प्रोफेसर, शिक्षा संकाय वनस्थली विद्यापीठ, राजस्थान, भारत
[2] रिसर्च स्कोलर, शिक्षा संकाय,वनस्थली विद्यापीठ, राजस्थान, भारत

सारांश
भारत के केन्द्र षासित राज्यों में अण्डमान निकोबार राज्य अत्यन्त रोचक है। यह राज्य लगभग 200 सालो तक ब्रिटिश राज में रहा। ब्रिटिष राज में सरकार विद्रोहियों एंव खतरनाक कैदियों को यहाँ की जेल में भेजती थी। भारतीयों के लिए यह स्थान कालापानी के नाम से प्रसिद्ध थी। अण्डमान निकोबार द्वीप में 572 द्वीप है जिनमें 37 द्वीप पर ही जनसंख्या है, बाकी द्वीप खाली पडे है। इन द्वीपों पर रहने वाले आदिवासी हमेशा चर्चा का विषय रहते है। इन आदिवासी समुदायों में जारवा एंव निकोबारी अधिक चर्चित है। यह आदिवासी समाज बाहरी लोगों के संपर्क में आने लगे है अतः भारतीय सरकार के संरक्षण में इन आदिवासीयों को शिक्षा दीक्षा प्रदान की जा रही है। इन आदिवासीयों में निकोबारी आदिवासीयों को अधिक विकसित माना जाता है।
निकोबारी भारत की एक प्रमुख जनजाति है। यह जनजाति अण्डमान निकोबार द्वीप समूह में रहते है। जिसमें यह समूह मुख्य रुप से निकोबार द्वीप में रहते है। निकोबार में निवास करने वाले स्त्री एंव पुरुषों का सामाजिक स्तर लगभग समान होता है। निकोबारी समाज में एक मुखिया होता है जिसे रानी की उपाधि प्राप्त रहती है। यहाँ निवास करने वालें लोगो का आवास स्थान खम्बों पर उठे हुए झोपडों पर होता है। ये जनजाति इन आवासों में सीढियों की मदद से चढते है। इन आवासों की एक बस्ती बनायी जाती है जिसमें ये निवासी निवास करते है। ये समुदाय अलग–अलग प्रकार की निकोबारी भाषाएँ बोलते है। 'कार निकोबारी' भाषा यहाँ की मातृभाषा है। अतः विद्यालयों के अंतर्गत हिन्दी भाषा को मातृभाषा के रुप में मान्यता प्राप्त है। अतः शिक्षा के क्षेत्र में हिन्दी भाषा को मुख्य स्थान प्राप्त है। निकोबारी समुदाय अब शिक्षा के क्षेत्र में बढचढकर हिस्सा लेने लगे है ये समूह अब आत्मनिर्भर है। आदिवासी समूह सभी क्षेत्रों में अपना योगदान दे रहे है। शिक्षा पर राष्ट्रीय नीति के उद्देष्य 14 वर्ष तक के सभी बच्चों को निःशुल्क एंव शिक्षा प्रदान की जाती है।

मूल शब्दः कालापानी, जारवा, निकोबारी, उपाधि, राष्ट्रीय नीति

प्रस्तावनाः शिक्षा के क्षेत्र में समानता

निकोबारी द्वीप समूह में शिक्षा राष्ट्रीय निति का उद्देष्य 14 वर्ष तक के सभी बच्चों को गुणवत्तापूर्ण एंव संतोषजनक निःशुल्क एंव अनिवार्य शिक्षा प्रदान की जा रही है। शिक्षा के क्षेत्र को ध्यान में रखते हुए शिक्षा विभाग का उद्देष्य 150 या उससे अधिक की आबादी वाले प्रत्येक लोकालय के 1.5 किलोमीटर के भीतर प्राथमिक विद्यालय बनाया गया हैं। दूरस्थ आवासों में जो इन विद्यालयों की पहुच से बाहर है जहाँ प्राथमिक विद्यालयों की उपलब्धता नही है वहाँ गैर–औपचारिक शिक्षा केन्द्र उपलब्ध कराये गये है। 306 द्वीपों में फैले हुए अण्डमान तथा निकोबार द्वीप समूह में कुल 396 स्कूल है। इनमें से 306 शिक्षा विभाग द्वारा प्रबंधित किये जाते है, इसके साथ ही 02 केन्द्रीय विद्यालय संगठन द्वारा, 02 नवोदय विद्यालय समिति द्वारा, 02 सहायता प्राप्त विद्यालय तथा 02 विद्यालय नगर परिषद के द्वारा चलाये जाते है। अण्डमान निकोबार द्वीप में निजि विद्यालय भी स्थित है। यहाँ शिक्षा पाँच माध्यमों अग्रेजी, हिन्दी, तमिल, तेलगु और बंगाली भाषा में प्रदान की जाती है। सभी वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय बी एस ई से संबंधित है।
प्रशासनिक विद्यालयों में नामांकन बढानें के लिए सरकार द्वारा अनेक प्रयास किये जा रहें है। यहाँ सभी जनजातिय छात्रों एंव बीपीएल धारक परिवारों के छात्रों को अनेक प्रोत्साहन प्रदान किये जा रहे है जो निम्न प्रकार है–

- निकोबारी आदिवासी छात्रों को फ्री पाठयपुस्तक, नोटबुक, लेखन सामग्री, वर्दी एंव स्कूल बैग मुहैया करवायें जाते है।
- निकोबारी आदिवासी स्कूलों में कक्षा एक से आठवी तक के छात्रों को मध्याहन भोजन योजना उपलब्ध कराया जाता है।
- प्री प्राइमरी में पढ़ने वाले छात्रों को स्नैक्स भी प्रदान किये जाते है।
- जो छात्र यहाँ छात्रावास में रहते है उन छात्रों को प्रति माह 300 रु की दर से छात्रवृत्ति प्रदान की जाती है।
- अपने निवास से 4 किलोमीटर दूरी पर स्थित विद्यालयों में पहुचने के लिए छात्रों को मुफ्त रियायत दी जाती है।
- मुख्य भूमि पर स्थित संस्थानों में पेशेवर एंव उच्च पाठयक्रमों में सीटों का आरक्षण प्रदान किया जाता है।
- मुख्य भूमि पर पढ़ाई कर रहे छात्रों को पोस्ट मैट्रिक छात्रवृति प्रदान की जाती है।

प्रारम्भिक शिक्षुओं की देखभाल और शिक्षा

इस योजना के तहत 3 से 6 साल के बच्चों के षैक्षणिक, शारीरिक, पोषण एंव मनोवैज्ञानिक आवष्यकताओं को पूरा करने के लिए विभाग के स्कूलों से जुड़े पूर्व–प्राथमिक कक्षाओं के माध्यम से शिक्षा प्रदान की जाती है।

शैक्षिक सहयोग में सुधार

इन द्वीपों में निवास करने वाले छात्रों के शैक्षिक प्रर्दशन में सुधार करने के लिए स्वस्थ प्रतिस्पर्धा को प्रोत्साहित करने के लिये अनेक कदम उठायें जा रहे है –

- कक्षा एंव विद्यालय में प्रथम स्थान प्राप्त करने वाले छात्रों को सम्मानित किया जाता है।
- आवश्यकता वाले स्थानों में कोचिंग एंव उपचारात्मक कक्षाए उपलब्ध करायी जाती है।
- नियमित कक्षाओं का आयोजन आदि प्रकियाओं शामिल है।

यहाँ शिक्षकों को प्री–सर्विस एंव इन–सर्विस प्रशिक्षण के विकास के लिए जिला इंस्टीटयूट ऑफ एज्यूकेशन DIET एंड ट्रेनिंग सेन्टर अपने विकासात्मक पाठयक्रम सामग्री सहित काम कर रही है। इसके द्वारा 2 साल वाले जूनियर बेसिक कोर्स JBT को भी आयोजित किया जा रहा है। स्टेट इंस्टीटयूट ऑफ एज्यूकेशन माध्यमिक एंव वरिष्ठ माध्यमिक शिक्षा पर पाठयचर्या के विकास, पर्यवेक्षक एंव निरीक्षण, शिक्षकों की सेवारत प्रशिक्षण और शिक्षण पद्धति के विकास और परिक्षा और मूल्यांकन सुधारों के प्राथमिक उद्देश्यों के साथ काम करने लिए प्रोत्साहित कर रहा है। यहाँ सीबीएसई, एनसीआरटी, एनआईईपीए, सीसीआरटी और आरआईई जैसे राष्ट्रीय संस्थानों के माध्यम से संगोष्ठी एंव कार्यशालाएं आयोजित कराई जाती है।

विकलांग छात्रों के लिए एकीकृत शिक्षा

वंचित एंव शारीरिक रुप से विकलांग छात्रों के लिए विशेष शिक्षा की जरुरत पर ध्यान देते है विभ्भिन विद्यालयों में अनेक आईईडी केन्द्र कार्य कर रहे है। विभाग दिव्यांग छात्रों को सामान्य विद्यालयों में एकीकृत करने का प्रयास करता है।

पुस्तकालय सेवाएं

कार निकोबार द्वीप में एक जिला पुस्तकालय एंव 17 जोनल पुस्तकालय स्थित है, यह पुस्तकालय वहाँ की जनता के बीच पढ़ने की आदतों में बढावा देने के लिए एक विभिन्न दृष्टिकोण के साथ अपना कार्य कर रहे है। वही पोर्ट ब्लेयर में एक राजकिय पुस्तकालय, 9 भाषाओं में 83000 से अधिक पुस्तकों और 13567 पाठकों सहित यहाँ स्थित है। दक्षिण अण्डमान कें आस पास और ग्रामीण आबादी की जरुरतों को पूरा करने के लिए यहाँ एक मोबाइल लाइब्रेरी सेवाए आरम्भ की गयी है।

प्रौढ़ शिक्षा को बढ़ावा

शिक्षा विभाग द्वारा शिक्षा में लिंग अनुपात को कम करने के लिए अनेक प्रयास किये जा रहे है। विभाग के द्वारा सर्व शिक्षा अभियान के तहत किसी भी अन्य राज्य योजना के अंतगर्त शामिल न होने वाली लड़कियों के लिए मुक्त पाठयपुस्तक प्रदान करने के लिए एक योजना आरम्भ की गयी है। कुल साक्षरता दर के लक्ष्य को प्राप्त करने के की दिशा में साक्षरता दर को बढाने के लिए प्रौढ़ शिक्षा कार्यक्रम लागू किया जा रहा है।

कम्प्यूटर षिक्षा को बढावा

11,538 छात्रों को पर 16 वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालयों में कम्प्यूटर शिक्षा प्रदान की जा रही है। योजना के तहत वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालयों में वर्तमान योजना अवधि के तहत चरणबद्ध तरीके से कार्य किया जा रहा है।

ग्रामीण एंव जनजातिय क्षेत्रीय छात्रों की मेरिट में वृद्धि

'ग्रामीण एंव जनजातिय क्षेत्रीय छात्रों की मेरिट में वृद्धि' योजना के तहत सीटो की संख्या 50 से बढाकर 75 की गयी है। इस योजना के तहत कक्षा आठवी में प्रतिभा खोज परिक्षा के आधार पर चुने गये छात्रों को पोर्ट ब्लेयर लाया जाता है एंव मुक्त बोर्डिग और आवास की सुविधाओं के साथ अपनी पसंद के माध्य से स्कूलों में शिक्षा प्रदान की जाती है।

सन्दर्भ

1. साउथ अण्डमान डिस्ट्रीक्ट.(2020).अण्डमान एंव निकोबार द्वीप समूह की सरकार. आई सी।
2. साउथअण्डमान.एनआईसी.इन/निकोबार्स.अण्डमान.एनआईसी. इन शिक्षा विभग
3. निकोबार.(2019). अण्डमान तथा निकोबार द्वीप समूह. विभाग. डिजिटल इण्डिया।
4. उपाध्याय, प्रशान्त .(1980). इम्पलीमेंटेशन आफद फन्डामेंटल राइट आफ द चाइल्ड टू एज्युकेशन. केश आफ अण्डमान एण्ड निकोबार आइसलैण्ड।
5. डी.बी.सी. (2015). एल्यूकेशन ऑफ ट्राइबल पार्टीशिपेशन एण्ड इलेक्ट्रीवनेस रिगल पब्लिकेशन।
6. बेहरा,एस.एस. (२०१५), कम्यूनिकेशन बैरियर फेस्ड बाई ट्राइबल स्टूडेन्ट इन टर्सरी एज्यूकेशन।
7. त्रिपाठी, पूनम. (२०१६), ट्राईब्स ऑफ अण्डमान एण्ड निकोबार आईसलैंड ए कम्पैरटिव् स्टडी ऑफ ग्रेट अण्डमानीज् एण्ड निकोबारी, सेल्सियन जर्नल ऑफ ह्यूमैनटिज़ एण्ड सोषल साइंस, २:१0œ
8. डायरेक्टर ऑफ एज्यूकेषन.(२००४), लिट्रेसी एण्ड एज्यूकेषन, जेण्डर प्रोफाइल ऑफ अण्डमान निकोबार।
9. उपमन्यु, एम.सी. (२०१६), 'द ट्राइबल एज्यूकेशन इन इण्डिया स्टेटस चेलैजिस एण्ड इशु, इण्टरनेशनल जर्नल ऑफ नॉवेल रिसर्च इन एज्यूकेशन एण्ड लर्निंग।